परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय-रावतभाटा

वार्षिक परीक्षा-2019-20

कक्षा-आठवीं समय-2 घंटा

विषय-संस्कृत पूर्णांक-40

प्र.1 निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 4

सावित्री अनेकाः संस्था प्रशासनकौशलेन सञ्चालितवती। दुर्भिक्षकाले प्लेग-काले च सा पीडितजनानाम् अश्रान्तम् अविरतं च सेवाम अकरोत्। सहायता-सामग्री-व्यवस्थायै सर्वथा प्रयासम् अकरोत। महारोग प्रसारकाले सेवारता सा स्वयम् असाध्यरोगेण ग्रस्ता1897 तमे ख्रिस्ताब्दे निधनं गता।

अथवा

पूर्वदिशायाम् उदेति सूर्य :पश्चिमदिशायाम् च अस्तं गच्छति इति दृश्यति हि लोके । परम् न अनेन अवबोध्यमस्ति यत्सूर्यो गतिशील इति । सूर्योऽचल :पृथिवी च चला या स्वकीये अक्षे घूर्णति इति साम्प्रतं सुस्थापित :सिद्धांत: ।सिद्धान्तोऽयं प्राथम्येन येन प्रवर्तित :स :आसित महान गणितज्ञ :ज्योतिर्विच्च आर्यभट :|

प्र.2 निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 4

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्।।

अथवा

सुपूर्णं सदैवास्ति खाद्यान्नभाण्डं
नदीनां जलं यत्र पीयूषतुल्यम्।
इयं स्वर्णवद् भाति शस्यैर्धरेयं
क्षितौ राजते भारतस्वर्णभूमिः।।

प्र.3 अपनी पाठ्यपुस्तक से याद किया हुआ श्लोक हिन्दी अर्थ सहित लिखिए। 4

प्र.4 निम्नलिखित में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- 4

क. कीदृशं कर्म समाचरेत्?

ख. अस्माकं प्रथमोपग्रहस्य नाम किम् अस्ति?

ग. भारतस्वर्णभूमिः कुत्र राजते?

घ. वयं शिक्षिताः अपि कथमाचरामः?

ङ. आत्मवशं किं भवति?

च. का स्वदृढनिश्चयात् न विचलति?

प्र.5 समानार्थक शब्द चुनकर खाली जगह में लिखिए- 2

क. करिणाम्.....।(अश्वानाम्/गजानाम्/गर्दभानाम्)

ख. मयूराणाम्.....। (शिखीनाम्/शुकानाम्/पिकानाम्)

ग. पृथिव्याम्.....।(क्षितौ/पर्वतेषु/त्रिलोक्याम्)

घ. घटः.....।(तडागः/नलः/कुम्भः)

प्र.6 निम्नलिखित संस्कृत पदों से कोइ चार के संस्कृत में वाक्य बनाइए- 4

विद्या, तपः, व्यक्तिगतम्, परितः, वैज्ञानिकः, निकषा

प्र.7 किसी एक विषय पर संस्कृत में चार वाक्य लिखिए 4

1. सावित्रीबाई फुले 2. आर्यभट्ट

प्र.8 संधि विच्छेद कीजिए- 2

सूर्याचलः, तथैव, वृक्षाग्रवासी, त्वग्वस्त्रधारी

प्र.9 श्लोकांश को सही-सही मिलाकर फिर से लिखिए- 2

किं कुर्यात कातरो युद्धे	अत्रैवोक्तं न बुध्यते।
विव्दद्भिः का सदा बन्धा	तक्रं शक्रस्य दुर्लभम्।
कं सञ्जघान कृष्णः	मृगात् सिंहः पलायते।
कथं विष्णुपदं प्रोक्तं	काशीतलवाहिनी गंगा।

प्र.10 विशेषण पद के साथ सही विशेष्य पद मिलाकर आमने-सामने लिखिए। 2

काश्चित्	गृहाणि
स्वच्छानि	क्षतिः
स्वच्छता	शान्तिम्
महती	स्वास्थ्यकारी

प्र.11 शुद्ध वाक्य के सामने आम् और अशुद्ध वाक्य के समाने न लिखिए- 2

क. कातरो युद्धे युद्ध्यते।

ख. कस्तूरी मृगात जायते।

ग. मृगात् सिहः पलायते।

घ. कं सन्जघान कृष्णः।

प्र.12 मातृ अथवा स्वसृ शब्द के प्रथमा व द्वितीय विभक्ति के रूप लिखिए। 3

प्र.13 इष धातु लृट् लकार (भविष्य काल) अथवा लङलकार(अतीत काल)प्रथमपुरुष और मध्यमपुरुष में लिखिए। 3